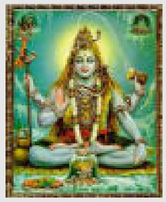


॥ श्री मृत्युञ्जय अष्टोत्तर शत नामावळी ॥

Sri Mrutyunjaya Ashtottaram - Namavali

ॐ भगवते नमः
ॐ सदाशिवाय नमः
ॐ सकल तत्त्वा ऽ त्मकाय नमः
ॐ सर्व मन्त्र रूपाय नमः
ॐ सर्व यन्त्राधिष्टिताय नमः
ॐ तन्त्र स्वरूपाय नमः
ॐ तत्त्व विदूराय नमः
ॐ ब्रह्म रुद्रा ऽ वतारिणे नमः
ॐ नीलकण्ठाय नमः
ॐ पार्वती प्रियाय नमः
ॐ सोम सूर्याग्नि लोचनाय नमः
ॐ भस्मोद्धूलित विग्रहाय नमः
ॐ महा मणिमकुट धारणाय नमः
ॐ माणिक्य भूषणाय नमः
ॐ सृष्टि स्थिति प्रळयकाल रौद्रा ऽ वताराय नमः
ॐ दक्षाध्वर ध्वंसकाय नमः
ॐ महाकाल भेदकाय नमः
ॐ मूलाधारैक निलयाय नमः
ॐ तत्त्वातीताय नमः
ॐ गंगाधराय नमः
ॐ सर्व देवाधिदेवाय नमः
ॐ वेदान्त साराय नमः
ॐ त्रिवर्ग साधनाय नमः
ॐ अनेक कोटि ब्रह्माण्ड नायकाय नमः
ॐ अनन्तादि नागकुल भूषणाय नमः
ॐ प्रणव स्वरूपाय नमः
ॐ चिदाकाशाय नमः
ॐ आकाशादि स्वरूपाय नमः
ॐ ग्रह नक्षत्र मालिने नमः
ॐ सकलाय नमः
ॐ कळङ्क रहिताय नमः
ॐ सकल लोकैक कर्त्रे नमः
ॐ सकल लोकैक संहर्त्रे नमः
ॐ सकल निगम गुह्याय नमः
ॐ सकल वेदान्त पारगाय नमः
ॐ सकल लोकैक वरप्रदाय नमः
ॐ सकल लोकैक शङ्कराय नमः
ॐ शशाङ्क शेखराय नमः
ॐ शाश्वत निजावासाय नमः
ॐ निराभासाय नमः
ॐ निरामयाय नमः
ॐ निर्लोभाय नमः
ॐ निर्मोहाय नमः
ॐ निर्मदाय नमः
ॐ निश्चिन्ताय नमः
ॐ निरहंकाराय नमः
ॐ निराकुलाय नमः
ॐ निष्कळङ्काय नमः
ॐ निर्गुणाय नमः
ॐ निष्कामाय नमः
ॐ निरुपप्लवाय नमः
ॐ निरवद्याय नमः
ॐ निरन्तराय नमः
ॐ निष्कारणाय नमः
ॐ निरातङ्काय नमः
ॐ निष्प्रपञ्चाय नमः
ॐ निस्सङ्गाय नमः
ॐ निर्द्वन्द्वाय नमः
ॐ निराधाराय नमः
ॐ नीरोगाय नमः
ॐ निष्क्रोधाय नमः
ॐ निर्गमाय नमः
ॐ निर्भयाय नमः
ॐ निर्विकल्पाय नमः
ॐ निर्भेदाय नमः
ॐ निष्क्रियाय नमः

॥ श्री मृत्युञ्जय अष्टोत्तर शत नामावळी ॥

ॐ निस्तुलाय नमः
ॐ निस्संशयाय नमः
ॐ निरञ्जनाय नमः
ॐ निरूप विभवाय नमः
ॐ नित्य शुद्ध बुद्ध परिपूर्णाय नमः
ॐ नित्याय नमः
ॐ शुद्धाय नमः
ॐ बुद्धाय नमः
ॐ परिपूर्णाय नमः
ॐ सच्चिदानन्दाय नमः
ॐ अदृश्याय नमः
ॐ परम शान्त स्वरूपाय नमः
ॐ तेजो रूपाय नमः
ॐ तेजो मयाय नमः
ॐ महा रौद्राय नमः
ॐ भद्रा ऽ वतारय नमः
ॐ महा भैरवाय नमः
ॐ कल्पान्तकाय नमः
ॐ कपाल माला धराय नमः
ॐ खड्वाङ्गाय नमः
ॐ खड्ग पाशा ऽ ङ्कुश धराय नमः
ॐ डामरु त्रिशूल चाप धराय नमः
ॐ बाण गदा शक्ति भिन्दिपाल धराय नमः
ॐ तोमर मुसल मुद्गर धराय नमः
ॐ पट्टिस परशु परिघ धराय नमः
ॐ भुशुण्डी शतघ्नी चक्राद्या ऽ युध धराय नमः
ॐ भीषणकर सहस्र मुखाय नमः
ॐ विकटा ऽ ट्टहास विस्फारिताय नमः
ॐ ब्रह्माण्ड मण्डलाय नमः
ॐ नागेन्द्र कुण्डलाय नमः
ॐ नागेन्द्र हाराय नमः
ॐ नागेन्द्र वलयाय नमः
ॐ नागेन्द्र चर्म धराय नमः
ॐ त्रयम्बकाय नमः
ॐ त्रिपुरान्तकाय नमः
ॐ विरूपाक्षाय नमः
ॐ विश्वेश्वराय नमः
ॐ विश्व रूपाय नमः
ॐ विश्वतो मुखाय नमः
ॐ मृत्युञ्जयाय नमः

॥ इति श्री मृत्युञ्जय अष्टोत्तर शत नामावळी सम्पूर्णम् ॥